

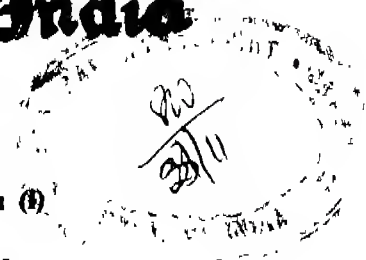


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 345]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 30, 1989/आषाढ 9, 1911

No. 345]

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 30, 1989/ASA DHA 9, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 जून, 1989

सं. 32/89-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन.टी.)

सा.का.नि. 660(अ) :--केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उस प्रथा के अनुसार, जो केन्द्रीय
उत्पाद-शुल्क प्रीर नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन उत्पाद-शुल्क के उद्ग्रहण की
बाबत (जिसके अन्तर्गत उसका उद्ग्रहण न किया जाना भी है) साधारणतया प्रचलित थी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क
टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के अध्याय 25 या अध्याय 28 या अध्याय 38 के अन्तर्गत आने
1809 GI/89 (1)

बाले शोरा पर उत्पाद शुल्क 28 फरवरी, 1986 को आरम्भ होने वाली और 5 अक्टूबर, 1988 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान उक्त धारा 3 के अधीन उद्ग्रहीत नहीं किया जा रहा था;

और ऐसे शोरे पर विशेष उत्पाद-शुल्क पूर्वोक्त अवधि के दौरान ऐसे शुल्क के उद्ग्रहण से संबंधित सुसंगत विधि के अधीन भी उद्ग्रहीत नहीं किया जा रहा था;

अतः, अब, केंद्रीय सरकार, प्रथम वर्णित अधिनियम की धारा 11ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त प्रथा के न होने पर ऐसे शोरे पर उक्त विधि के अधीन प्रथम वर्णित अधिनियम के अधीन संदेय या यथास्थिति संपूर्ण उत्पाद-शुल्क और विशेष-उत्पाद शुल्क ऐसे शोरे की बाबत संदाय किया जाना अपेक्षित नहीं होगा, जिस पर उक्त उत्पाद-शुल्क और विशेष उत्पाद-शुल्क उक्त प्रथा के अनुसार पूर्वोक्त अवधि के दौरान उद्ग्रहीत नहीं किए जा रहे थे।

[फा. सं. 107/6/88-सी. एक्स. 3]

एस. सी. जना, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th June, 1989

No. 32/89-CENTRAL EXCISES (N. T.)

G.S.R. 660(E).—Whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the duty of excise on saltpetre falling within Chapter 25 or Chapter 28 or Chapter 38 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), was not being levied under the said section 3, during the period commencing on the 28th day of February, 1986 and ending with the 5th day of October, 1988;

And, whereas, the special duty of excise on such saltpetre was also not being levied under the relevant law relating to the levy of such duty during the period aforesaid;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the first-mentioned Act, the Central Government hereby directs that the whole of the duty of excise and the special duty of excise payable under the first-mentioned Act, or as the case may be, under the said law on such saltpetre, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such saltpetre, on which the said duty of excise and the special duty of excise were not being levied during the period aforesaid, in accordance with the said practice.

[F. No. 107/6/88-CX 3]

S. C. JANA, Under Secy.